न्यायकुमुदचन्द्र (आ० प्रभाचन्द्र) ४२१, ५४१-५४५, ६०९
न्यायदीपिका ४५८
न्यायप्रवेश ४९२
न्यायबिन्दु (धर्मकीर्ति, बौद्ध) ४९२, ५०३
न्यायविनिश्चय (अकलंकदेव) ४९४
न्यायविनिश्चय-विवरण (वादिराज) ४९४
न्यायावतार (श्वे० सिद्धसेन) ४७०, ४७३, ४७९-४८२, ४८७-४८९, ४९२, ४९५, ४९६, ५०९, ५८०-५८२, ५९७, ६०३-६०५, ६१७
— सिद्धर्षिटीका ५८०
न्यायावतारवार्तिकवृत्ति-प्रस्तावना (पं० दलसुख मालवणिया) ५५६, ६०४

प

पउमचरिउ (स्वयम्भू) ६२९, ७१७-७३१
पउमचरिय (विमलसूरि) २८८, ६२९, ६४८, ६७९, ७२८
पञ्चप्रतिक्रमण-भूमिका (पं० सुखलाल संघवी) ६४
पञ्चमहागुरुभक्ति (कुन्दकुन्द) ७३
पञ्चवस्तु (हरिभद्रसूरि) २४०, ५१८, ५३४, ६१७
पञ्चसिद्धान्तिका (वराहमिहिर) ५००
पञ्चाश्चर्य ७५९
पञ्चास्तिकाय १६७, २४५, ३९४, ३९६, ३९७-४०१, ५४६
— तात्पर्यवृत्ति (आचार्य जयसेन) ७३८
पट्टावली समुच्चय (मुनि दर्शनविजय जी) ५१९
पट्टावलीसारोद्धार ५१९
पडिसंलीणया (प्रतिसंलीनता तप) ४०८
पण्णवणासुत्त (देखिये, 'प्रज्ञापनासूत्र')
पद्मप्रबन्ध ४७६
पद्म (श्री राम) ७२६
पद्मनन्दी (कुन्दकुन्दाचार्य) ६३
पद्मनाभ (पद्म=राम) ६४१
पद्मपुराण, पद्मचरित (रविषेण) ५२२, ६००, ६२०, ६२९-६४४, ७१८
पद्मप्रभमलधारिदेव ५१७
पद्मरथनृप-कथानक (बृ.क.को.) ७५२
पन्नालाल साहित्याचार्य (डॉ०, पं०) ६५०, ७०३, ७०४, ७४२
परतीर्थिक अन्यतीर्थिक, परशासन, अन्य-लिंगी-मुक्तिनिषेध १३१, २१३, २५६, ४४०, ६४०, ६६७, ६९१, ७२१, ७५८, ७८३
परमानन्द (पं०, शास्त्री) ५८, १९६, ६४३
परमौदारिक शरीर २९३, २९८
परलिंग-मुक्तिनिषेध २९
पराशर (वैदिक ऋषि) ६८०
परिशिष्टपर्व (हेमचन्द्रसूरि) ७६१
परिहारसंयम, परिहारसंयत १७७, १७९
परीषहजयविधान ६६४
पर्यङ्कासन ६६२
पर्युषणाकल्प ६
पाइअ-सद्द-महण्णवो ६२१, ७६६, ७७९
पाखण्डिमूढ ५९९
पाखण्डी (पापं खण्डयतीति पाखण्डी) ५९९, ६००
पाखण्डी (धूर्त, दम्भी-कपटी) ६००, ६०१
पाणितलभोजी ४, ६३, ८५

Scanned with OKEN Scanner